नीमराना-घीलोठ में होंगे 150 करोड़ के विकास कार्य : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश के रुझान को देखते हुए दूसरा जापानी जोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। नीमराना और घीलोठ में करीब 150 करोड़ के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसमें साढ़े तीन करोड़ की लागत से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र में एनएच-48 से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र तक 1620 मीटर सीसी सड़क के निर्माण और 90 लाख की लागत से औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में 4500 लीटर क्षमता के दो अग्निशमन वाहनों की आपूर्ति के लिए कार्यादेश जारी हो चुके हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट प्रदेश की अर्थव्यवस्था और चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। शर्मा नीमराना के जापानी जोन में स्थित डाइकिन कंपनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे।11 करोड़ से 48 किमी में इंटरलॉकिंग टाइल्स

मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना प्रथम, द्वितीय, ईपीआईपी एवं एन.आई.सी. (एम) नीमराना में करीब 11 करोड़ व्यय कर 48 किलोमीटर लम्बाई में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य भी शीघ्र शुरू कराया जाएगा। साथ ही लगभग 9 करोड़ व्यय कर नीमराना प्रथम, द्वितीय, ईपीआईपी, घीलोठ में बिजली की लाइनों को भूमिगत एवं सुदृढ़ीकरण करने का कार्य और लगभग 2 करोड़ व्यय कर औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में सड़कों के सुदृढ़ीकरण तथा हाईमास्ट के कार्य कराए जाएंगे। नीमराना व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। पहले जापानी जोन नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित है, जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। राज्य सरकार और रीको की भागीदारी से प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को नीमराना दिवस मनाया जाएगा।

कंपनियों का बेहतरीन अनुभव - ताकाशी

जेट्रो के डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुजुकी ने कहा कि नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के जापानी जोन में जापानी कम्पनियों का बेहतरीन अनुभव रहा है। भविष्य में जापानी कम्पनियों की ओर से राज्य और निवेश किया जाएगा। उन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट आयोजन को निवेशकों के लिए अच्छा अवसर बताया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने को मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, 2350 करोड़ रुपए खर्च होंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टैंकर हादसे को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विशेष अभियान चलाकर ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए ताकि वाहन दुर्घटनाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सके। सीएम ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान कार्यों की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए और कामों को निर्धारित अवधि में पूरा करवाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 2350 करोड़ की लागत से ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने का काम किया जा रहा है ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि प्रदेश में एनएचएआई द्वारा 40 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर 812.64 करोड़ रुपए की लागत से इन्हें सुधारने का कार्य किया जा रहा है। इनमें से 13 का काम पूरा हो चुका है। शेष का प्रक्रियाधीन है।

इसी प्रकार प्रदेश में एनएचएआई 821.51 करोड़ की लागत से 37 अन्य चिन्हित ब्लैक स्पॉट को सुधारने के कार्य भी शीघ्र शुरू करने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में एनएच द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ लगभग 650 करोड़ की लागत से 176 ब्लैक स्पॉटस को सुधारने का काम किया जा रहा है। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चिह्नित 117 ब्लैक स्पॉटस को 31 मार्च 2025 तक ठीक कर दिया जाएगा। राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा भी चिन्हित 30 ब्लैक स्पॉट के सुधार के कार्य 21.72 करोड़ रुपए की लागत से करवाए जा रहे हैं, जो आगामी जनवरी तक पूरे हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त 4 सड़कों पर 20.34 करोड़ रुपए की लागत से सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सुधार कार्य करवाए जा रहे हैं।

महाकुंभ के लिए 5 जोड़ी मेला स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

जयपुर। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए महाकुंभ मेला-2025 के लिए पांच जोड़ी मेला स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार साबरमती-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 16 जनवरी, 5, 9, 14 व 18 फरवरी को साबरमती से सुबह 11 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2.45 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा 17, 6, 10, 15, 19 फरवरी को बनारस से शाम 7.30 बजे रवाना होकर अगले दिन मध्यरात्रि 12.30 बजे साबरमती पहुंचेगी। भावनगर टर्मिनस-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 22 जनवरी, 16 व 20 फरवरी को भावनगर टर्मिनस से सुबह 5 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2.45 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस- भावनगर टर्मिनस मेला स्पेशल रेलसेवा 23 जनवरी, 17 व 21 फरवरी को बनारस से शाम 7.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 5 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। वहीं साबरमती-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 19, 23 व 26 जनवरी को साबरमती से सुबह 10.25 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2.45 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा 20, 24, 27 जनवरी को बनारस से शाम 7.30 बजे रवाना होकर अगले दिन मध्यरात्रि 1.25 बजे साबरमती पहुंचेगी। राजकोट-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 6, 15 व 19 फरवरी को राजकोट से सुबह 6.05 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2.45 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस-राजकोट मेला स्पेशल रेलसेवा 7, 16 व 20 फरवरी को बनारस से शाम 7.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 4.10 बजे साबरमती पहुंचेगी। इसी प्रकार बेरावल-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 22 फरवरी को बेरावल से रात 10.20 बजे रवाना होकर तीसरे दिन दोपहर 2.45 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस-बेरावल मेला स्पेशल रेलसेवा 24 फरवरी को बनारस से शाम 7.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 9 बजे बेरावल पहुंचेगी।

हाईवे पर डकैती की योजना बनाते पकड़े बदमाश निकले साइबर ठग

भीलवाड़ा। नेशनल हाइवे से गुजरने वाले वाहनों में लूट-डकैती की योजना बनाते अरिहंत विहार के रास्ते से 17 दिसंबर को पकड़े गये आरोपी साइबर अपराध में भी लिप्त है। यह दावा पुलिस ने करते हुये इनके कब्जे से 15 मोबाइल व 16 सिम कार्ड भी बरामद किये हैं। साथ ही इनके एक और साथी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो इन आरोपितों को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध करवाता था। डीएसपी (सदर) श्यामसुंदर बिश्नोई ने बताया कि पुर थाने के एएसआई गोपाल लाल को 17 दिसंबर को सूचना मिली कि अरिहंत विहार जाने वाले रास्ते पर कुछ लोग गंभीर वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर हाइवे पर लग्जरी वाहनों में लूट-डकैती की योजना बनाते हुये चेम्बूर नाका, मच्छी मार्केट (मुम्बई) हाल चपरासी कॉलोनी निवासी जुनैद खान पुत्र राजूखान पठान, चापानेरी, भिनाय हाल मंडपिया निवासी दिनेश सिंह पुत्र शंकरसिंह पंवार राजपूत, अनुराग उर्फ चेतन पुत्र अमित कोली निवासी नगरा, अजमेर हाल तिलकनगर व गुरुनानक कॉलोनी, बूंदी निवासी देवेंद्र पुत्र रामलाल कलाल को गिरफ्तार कर एक कार, 2 मोटरसाईकिल, 1 तलवार, 1 गुप्तीनुमा हथियार, 15 मोबाईल फोन व 16 सिमे जप्त की जाकर आरोपियों से अनुसंधान व पूछताछ की गई। साथ ही जब्त मोबाइल व सिम कार्ड के विश्लेष्ण से पुलिस को पता चला कि ये आरोपी टेलीग्राम एवं अन्य एप्प से चैटिंग कर उसके स्क्रीनशॉट मंगवाते हैं। इसके बाद पुलिस अधिकारी बनकर उनको कॉल करके धमकाते है तथा रुपए ऐंठते है। रुपए ऐंठने के बाद उक्त रकम अपने साथियों द्वारा उपलब्ध करवाये गये फर्जी बैंक अकाउण्टस मे ट्रांसफर कर देते है। फर्जी खाते उपलब्ध करवाने वाले आरोपी नाहर का चोटा, बूंदी निवासी राहुल वरयानी पुत्र भुपेन्द्र वरयानी सिन्धी का भी गिरफ्तार कर लिया गया।

जीएसटी काउंसिल की मुख्य बैठक, निर्मला सीतारमण करेगी अध्यक्षता

जैसलमेर। जैसलमेर जीएसटी काउंसिल की मुख्य बैठक होगी। बैठक में भाग लेने के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जैसलमेर पहुंची। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दीया कुमारी सहित कई राज्यों के वित्त मंत्री इस बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे। प्री बैठक हुई जिसमें कई मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। एयरपोर्ट पहुँचने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सड़क मार्ग से सीधे होटल मेरियट पहुंची। जहां जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक हो रही है। राजस्थान में जीएसटी काउंसिल की बैठक दूसरी बार हो रही है। इससे पहले उदयपुर में यह बैठक एक बार हो चुकी है। बैठक में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, तेलंगाना के डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मिजोरम के कबीना मंत्री वल्लनानथना सहित कई राज्यों के वित्त मंत्री जैसलमेर पहुंच चुके हैं। जीएसटी काउंसिल में भाग लेने के लिए गोवा के सीएम प्रमोद सावंत चार्टर प्लेन से जैसलमेर पहुंचे। एयरपोर्ट से होटल मेरियट के लिए रवाना होते समय मीडिया से कहा-बैठक को लेकर हमने प्रस्ताव तैयार किए है। गोवा की ओर से दिए गए प्रस्तावों पर मीटिंग में चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि गोवा की तरह जैसलमेर भी टूरिस्ट सिटी है और यहां आयोजन होना अच्छी बात है। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी इस बैठक के लिए जैसलमेर पहुंचे है। जैसलमेर एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से कहा- बिहार को इस बैठक से बहुत आशा है, बिहार आर्थिक रूप से मजबूत होगा, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का पूरा योगदान है।

कार और एंबुलेंस भिडे, 3 लोगों की मौत, 4 घायल

सुजानगढ़। उपखण्ड के सालासर रोड पर लोढ़सर गांव के बस स्टैंड के निकट देर रात कार और एम्बुलेंस की भिड़ंत में कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई, वहीं एम्बुलेंस में मोजूद हृदय रोगी ने भी सीकर में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सुजानगढ़ से हृदय रोगी को लेकर सीकर जा रही निजी एम्बुलेंस सामने से आ रही स्विफ्ट कार भिडंत हो गई, जिससे कार चालक जाकिर (32) पुत्र रामू खान मिरासी, रतनगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई, कार सवार सलीम खान (60) पुत्र पन्ने खान, निवासी बालेरा तहसील बीदासर गंभीर घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे सीकर रैफर किया गया, जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया। वहीं एम्बुलेंस से सीकर ले जाए जा रहे रोगी महावीर प्रसाद (60) निवासी ठरड़ा रोड़ सुजानगढ़ की सीकर में इलाज के दौरान मौत हो गई। एम्बुलेंस चालक मनीष को भी अन्यंत्र रेफर किया गया। हादसे के बाद मृतक जाकिर खां के भाई अलताफ खां ने सदर थाने में एम्बुलेंस चालक पर लापरवाही से वाहन चलाकर कार के टक्कर मारने का मामला दर्ज कराया है।

आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों को 'बढता बचपन 2.0 कार्यक्रम' दे रहा शिक्षा की उड़ान

चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की पहल पर जिले में शुरू किया बढ़ता बचपन 2.0 कार्यक्रम आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों के पूर्व प्राथमिक स्तर पर ही शिक्षण का सशक्त माध्यम बन रहा है। जिला कलक्टर की पहल पर शुरू किए गए बढ़ता बचपन 2.0 कार्यक्रम से अब आंगनबाड़ी केन्द्र सुदृढ़ हो रहे हैं और साथ ही बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। बच्चों को पेरेंट्स व टीचर की साझा देखरेख में सीखने के बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों के अभिभावक भी इस कार्यक्रम के जरिए आ रहे बदलाव को महसूस कर रहे हैं। बढ़ता बचपन 2.0 अंतर्गत, रॉकेट लर्निंग संस्था के समन्वय से चल रहे कार्यक्रम में जिले की सभी आंगनबाड़ी सुपरवाइजर के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पाठ्यक्रम के

अनुसार भेजी गई रॉकेट लर्निंग की सामग्री का उपयोग करके बच्चों को शिक्षित करना बताया जाता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व्हाट्सएप्प पर बच्चों के लिए प्रेषित शिक्षण सामग्री को देखकर अगले दिन बच्चों को केन्द्र पर करके-सीखना गतिविधि के माध्यम से सिखाने के प्रयास करती हैं। यह सामग्री क्षेत्रीय और ग्रामीण भाषाओं में तैयार की जाती है और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कार्यकर्ताओं तक पहुंचाई जाती है।

कार्यक्रम अंतर्गत विभाग के उपनिदेशक के निर्देशन में महिला पर्यवेक्षकों द्वारा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और बच्चों के माता-पिता को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा जा रहा है। इस ग्रुप के जरिए कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन कंटेंट से प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है और वे बच्चों के साथ गतिविधियां करके प्रोग्रेस भिजवाती हैं। इस प्रयास के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र और स्टार जैसे प्रोत्साहन दिए जाते हैं, जिससे उनकी भागीदारी बढ़ती है और माता-पिता की रूचि में भी इजाफा होता है।

माता-पिता को जोड़ने से उन्हें यह मालूम रहता है कि उनके बच्चे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर क्या सीख रहे हैं। माता-पिता बच्चों से घर पर भी टास्क पूरा करवाते हैं और बच्चों का अधिगम स्तर बेहतर होता है। विभाग द्वारा नियमित रूप से भेजे गए कंटेंट व कार्यकताओं की प्रोग्रेस को मॉनीटर किया जाता है।

बढ़ता बचपन 2.0 कार्यक्रम अंतर्गत जिले में 09 अक्टूबर, 2024 को रॉकेट लर्निंग संस्था, जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से सेक्टर सुपरवाइजरों को कार्यक्रम के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। सुपरवाइजर अब आंगनबाड़ी कार्यकताओं व सहायिकाओं को प्रभावी शिक्षण के लिए प्रेरित व शिक्षित करती हैं।

उल्लेखनीय है कि रॉकेट लर्निंग एक गैर सरकारी संस्था है, जो प्रारंभिक और पूर्व प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करती है। यह संस्था माता-पिता और आंगनबाड़ियों को जोड़ने के लिए डिजिटल और प्रत्यक्ष हस्तक्षेप का मिश्रित उपयोग करती है। रॉकेट लर्निंग के मॉडल से बच्चों के सीखने के परिणामों पर सकारात्मक असर देखा गया है। यह संस्था आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और माता-पिता के प्रशिक्षण पर भी गहरी नजर रखती है। बढ़ता बचपन कार्यक्रम के तहत, रॉकेट लर्निंग संस्था आंगनवाड़ी केंद्रों को ऑनलाइन शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराती है, जो राज्य के पाठ्यक्रम आधारशिला पर आधारित है।

रत्न और आभूषण के महाकुंभ राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने फीता काट किया शुभारंभ

जयपुर। हर और हॉल के चारों ओर रंगीन रत्नों और कलात्मक ज्वैलरी की चमक बिखर रही है। हीरे, पन्ना, मोती, माणक, नीलम जैसे कीमती रत्नों से डिजाइनर बूथ्स सजी हुई है। यह नजारा है सीतापुरा स्थित जेईसीसी कन्वेंशन सेंटर का, जहां चार दिवसीय जयपुर ज्वैलरी शो का शुक्रवार शुभारंभ हुआ। रत्नों और कलात्मक ज्वैलरी के महाकुंभ का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने फीता काट कर किया। साथ ही शो विजिट किया। सरकार की योजनाओं के बारे में बताया और राइजिंग राजस्थान समिट से राजस्थान की आर्थिक उन्नति के बारे में बताया। राठौड़ ने शो विजिट करते हुए जयपुर की ज्वैलरी को सराहा।

इस अवसर पर जे जे एस के मानद सचिव राजीव जैन ने राठौड़ को कलर स्टोन, डायमंड ज्वैलरी के बारे में बताया। शो में कुल 1200 बूथ्स है। जिसमें 329 बूथ्स जेमस्टोन, 723 बूथ्स ज्वैलरी, 58 बूथ्स अलाइड मशीनरी और 13 बूथ्स सिल्वर आर्टिकल की है। शो में देशभर के एक हजार टॉप रिटेलर्स शामिल होंगे

चिकित्सा विभाग ने वीडियो कॉल से प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं का किया औचक निरीक्षण, आमजन ने दिया फीडबैक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवा तंत्र निरंतर सुदृढ़ हो रहा है। चिकित्सा विभाग की ओर से वीडियो कॉल के माध्यम से प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं का औचक निरीक्षण एवं स्वास्थ्यकर्मियों से संवाद का नवाचार इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों ने गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य केंद्रों पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अन्य सेवाओं का वीडियो कॉल के माध्यम से हाल जाना और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी, ब्यावर के जवाजा, अलवर के थानागाजी, झालावाड़ सहित अन्य स्थानों पर वीडियो कॉल कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति जांची। उन्होंने बीसीएमओ, चिकित्सा संस्थानों पर कार्यरत चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों से संवाद किया। संवाद के दौरान गायत्री राठौड़ ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के तहत संस्थागत प्रसव, टीकाकरण आदि मानकों की स्थिति के बारे में जानकारी ली और इन्हें और बेहतर करने के निर्देश दिए।

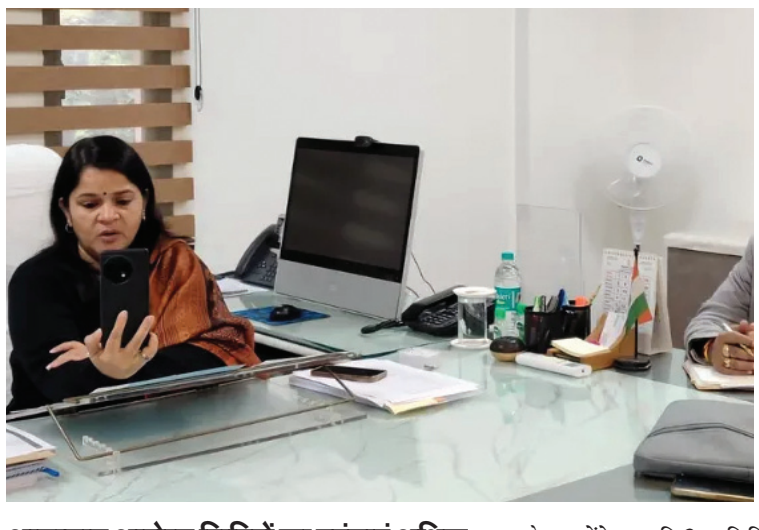

आयुष्मान आरोग्य शिविरों का पहुंचाएं अधिक से अधिक लाभ

प्रमुख शासन सचिव ने चिकित्सा अधिकारियों से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों के आयोजन एवं इनमें उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इन कैम्पों में कैंसर व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए, ताकि आमजन के स्वास्थ्य के संबंध में फील्ड स्तर से वास्तविक जानकारियां प्राप्त हो सके और लोगों को बीमारी के गंभीर स्तर पर पहुंचने से पहले ही उपचार और परामर्श उपलब्ध करवाया जा सके। साथ ही स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आवश्यक सुधार कर इनका अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि?इन शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को इनसे लाभान्वित किया जाए।

अधिकांश स्थानों पर सुचारू पाई गई व्यवस्थाएं

गायत्री राठौड़ ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर आयोजित इस संवाद के दौरान अधिकांश स्थानों पर सुचारू व्यवस्थाएं देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों पर इसी तरह सेवाभाव के साथ काम करते हुए आमजन को राहत पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अच्छा काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को विभाग की ओर से भरपूर प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्हें उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

एक हजार से अधिक कॉल कर जांची स्थिति

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित, निदेशक आईईसी शाहीन अली खान, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर सहित राज्य, संभाग एवं जिला स्तरीय करीब 100 अधिकारियों ने एक हजार से अधिक कॉल कर प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सामने आया कि स्वास्थ्य सेवाओं में पहले के मुकाबले निरंतर सुधार हो रहा है।

आमजन ने कहा- पहले से बेहतर हुई सेवाएं

आमजन ने भी संवाद के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर सकारात्मक फीडबैक दिया। उन्होंने बताया कि आमतौर पर चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ समय पर आ रहा है।

एफएमडी एवं पीपीआर के टीके लगाने का अभियान 31 दिसम्बर तक बढ़ाया

उदयपुर। राजस्थान में पशुपालन विभाग की ओर से चलाए जा रहा खुरपका-मुंहपका टीकाकरण कार्यक्रम को पशुपालकों की सुविधा के मद्देनजर राजस्थान सरकार ने 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. शरद अरोड़ा ने पशुपालकों से अपील है कि विभाग की टीम गांव में आने पर ज्यादा से ज्यादा पशुपालक उक्त अभियान का लाभ लें तथा अपने पशुओं का टीकाकरण कराकर उन्हें बीमारी से बचाएं। सभी टीके पशुपालक के घर पर निःशुल्क लगाए जा रहे हैं। पशुपालक उनके जन आधार पर संपदा मोबाइल नंबर पर इस कार्य हेतु आया ओटीपी भी पशुपालन टीम के अलावा अन्य को नहीं दें।

डॉ. अरोड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार को एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में पशुपालकों के लिए बहुत ही आवश्यक योजना पशु मंगल बीमा योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत पशुपालकों को अपने जन आधार के माध्यम से पंजीयन कर अपने पशुओं का विवरण ऑनलाइन पंजीकरण करना है। दो पशुओं का बीमा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क किया जा रहा है।